मध्य प्रदेश में पेप्सिको इंडिया का फ्लेवर प्लांट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [पेप्सिको इंडिया (PepsiCo India)]() ने देश में अपनी विस्तार योजनाओं के तहत **मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक फ्लेवर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी** स्थापित करने के लिये 1,266 करोड़ रुपए का निवेश करने की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु:

- 22 एकड़ में फैला यह प्लांट भारत में पेप्सिको के पेय पदार्थ (Beverage) उत्पादन को बढ़ाने,**रोज़गार सृजन करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाएगा।
    - इस संयंत्र का निर्माण कार्य **इसी वर्ष शुरू होने तथा वर्ष 2026 की पहली तिमाही में चालू होने** की उम्मीद है।
    - यह यूनिट भारत में कंपनी की दूसरी फ्लेवर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी होगी। **पेप्सिको की पहली फ्लेवर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी पंजाब के चन्नो में** है।
- पेप्सिको इंडिया ने कहा कि अपने वैश्विक सतत् लक्ष्यों के अनुरूप, नई विनिर्माण फैसिलिटी पूरी तरह से[**नवीकरणीय ऊर्जा**]() **स्रोतों द्वारा संचालित** होगी, जिससे **प्रतिदिन 1.9 मीट्रिक टन** [**कार्बन फुटप्रिंट**]() **की महत्त्वपूर्ण कमी** आएगी।
- **शून्य तरल निर्वहन तकनीक (Zero Liquid Discharge Technology)** के साथ, संयंत्र का लक्ष्य **लगभग 90% समग्र जल दक्षता हासिल करना**, जल संसाधनों का नैतिक रूप से उत्तरदायी प्रबंधन सुनिश्चित करना और फैसिलिटी में उपयोग किये जाने वाले 100% पानी की पुनःपूर्ति करना है।

नोट: रिवर्स ऑस्मोसिस सहित शून्य तरल निर्वहन/ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD) के घटक, जल और लवण के व्यापक पुन: उपयोग तथा पुनर्प्राप्ति को सक्षम करते हैं एवं यह प्रक्रिया ताज़े जल की आवश्यकताओं को कम करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pepsico-india-establishing-flavor-plant-in-madhya-pradesh